

प्रेषक,

राधा रतूड़ी,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अपर मुख्य सचिव/
प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सु0प्र0उ0ज0(सतर्कता)अनुभाग

देहरादून: दिनांक 12 मई, 2015

विषय: राज्य सतर्कता समिति के गठन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या:-398/XLIII(1)/13-38(11)/2002 दिनांक 16.05.2013 के आंशिक संशोधन के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रश्नगत शासनादेश निर्गत किये जाने का मुख्य उद्देश्य सतर्कता अधिष्ठान को गोपनीय/खुली जांच अभिर्दिष्ट करने तथा सतर्कता अधिष्ठान की जांचोपरान्त अभियोजन की स्वीकृति प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर निर्णय हेतु राज्य सतर्कता समिति द्वारा विचारोपरान्त समिति की संस्तुति प्राप्त करते हुये ही अग्रेत्तर कार्यवाही की जाये, किन्तु तत्सम्बन्धी शासनादेश के प्रस्तर 3(ग) से ऐसी भ्रान्ति हो रही है कि सतर्कता अधिष्ठान द्वारा समस्त प्रकरणों पर प्रदत्त संस्तुतियां राज्य सतर्कता समिति के समक्ष प्रस्तुत की जायेंगी। सतर्कता अधिष्ठान द्वारा अनेक प्रकरणों में प्रकरण निक्षेपित किये जाने अथवा अभियोजन की आवश्यकता न पाकर मात्र विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही किये जाने जैसी संस्तुतियां की जाती हैं और ऐसे समस्त मामलों को कदाचित राज्य सतर्कता समिति के समक्ष प्रस्तुत किये जाने का औचित्य प्रतीत नहीं होता है।

2. अतः वर्णित परिस्थितियों में शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त उपरोक्त शासनादेश संख्या:-398 /XLIII(1)/13-38(11)/2002 दिनांक 16.05.2013 के प्रस्तर 3(ग) में निम्नानुसार आंशिक संशोधन किये जाने का निर्णय लिया गया है:-

पूर्व प्राविधान	संशोधित प्राविधान
3(ग)- सतर्कता अधिष्ठान द्वारा प्रदत्त संस्तुतियों पर विचार कर अग्रेत्तर कार्यवाही के सम्बन्ध में संस्तुति देना।	3(ग)- अत्यन्त विशिष्ट मामलों में सतर्कता अधिष्ठान द्वारा प्रदत्त संस्तुतियों पर विचार कर अग्रेत्तर कार्यवाही के सम्बन्ध में संस्तुति देना।

3. उक्त शासनादेश संख्या:-398 /XLIII(1)/13-38(11)/2002 दिनांक 16.05.2013 इस सीमा तक संशोधित समझा जायेगा।

[Signature]

भवदीय,

(राधा रतूड़ी)
प्रमुख सचिव

संख्या 213 /XLIII(1)/15-38(11)/2002 तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- निदेशक, सतर्कता अधिष्ठान, उत्तराखण्ड।
- 2- पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड।
- 3- समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
- 4- समस्त मण्डलायुक्त।
- 5- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- समस्त अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(अरविन्द सिंह हयांकी)
अपर सचिव।